म्हारे काग आंगने बोले

म्हारे काग आंगणे बोले हेली , गुरु मिलण की आस,
गुरु मिलण की आस , म्हारे राम मिलण आस,
म्हारे काग आंगणे.....

इंदर अखाड़े आया हेली , बादल घटा छाया,
जैसे मेरा सतगुरु आया , बिजली के प्रकाश
म्हारे काग आंगणे.....

झरमर मियो बरसे , यू सबको जीवड़ो हर्षे,
ज्ञानी जीव तो सतगुरु परसे , मूर्ख फिरे उदास,
म्हारे काग आंगणे.....

सतगुरु शब्द सुनावे हेली , समज्या सेन लिखावे,
ज्याका जन्म मरण मिट जावे जी , रहे गुरु का दास,
म्हारे काग आंगणे.....

गोकुल स्वामी सतगुरु दाता , गणी करू अरदास,
लादूदास दर्शन मन भावे जी , चरण कमल में वास,
म्हारे काग आंगणे.....

गायक - चम्पा लाल प्रजापति मालासेरी डूँगरी
89479-15979

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/14232/title/mhare-kag-aangne-bole

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |